

पञ्चदशम (vom vorherg.) adj. = पञ्चदश *der 15te Kūrma-P.* in Verz. d. Oxf. H. 8, a, 10.

पञ्चदशवत् (von पञ्चदश) adj. *mit dem Pañkādaça-Stoma versehen* ÇAT. Br. 8, 4, 4, 1. fgg.

पञ्चदशाह् (पञ्चदशन् + अह्) m. *ein Zeitraum von fünfzehn Tagen:* ऽदशाह्नि M. 5, 83.

पञ्चदशीन् (von पञ्चदशन्) adj. *fünfzehnthellig:* ऽदशिनो ऽर्धमासाः P. 5, 2, 37, Vārtt. 5, Sch. ÇAT. Br. 13, 2, 5, 1.

पञ्चदामन् (पञ्चन् + दा०) adj. f. ऽदाम्नी (ved.) P. 4, 1, 29, Sch.

पञ्चदीर्घ (पञ्चन् + दी०) n. *die fünf langen Theile des Körpers:* ब्राह्म नेत्रद्वयं कुन्दिर्दं तु नामे तथैव च । स्तनयोस्तरं चैव पञ्चदीर्घं प्रशस्यते ॥ SĀMUDRAKA im ÇKDR. Bei den Buddhisten *Knie* st. *Bauch*.

पञ्चर्था (von पञ्चन्) adv. *fünfgetheilt, fünffach* P. 5, 3, 42. AV. 4, 14, 7. पञ्चैदनः पञ्चधा वि क्रमताम् 9, 5, 8. पाङ्क्तो ऽयं पुरुषः पञ्चधा विक्रितो लोमानि त्वञ्चोसमस्थि मञ्जा AIT. Br. 6, 29. TBR. 1, 5, 9, 7. ÇAT. Br. 9, 2, 2, 5. VS. 34, 1. TBR. 1, 2, 1, 27. पशुः पञ्चधा प्रतितिष्ठति पृद्धिमुखेन 2, 2, 11, 4. ÇAT. Br. 5, 2, 4, 4. KĀND. UP. 7, 26, 2. MUND. UP. 3, 1, 9. JĀGŪ. 3, 9. MBH. 3, 14525. 13, 2553. SUÇR. 1, 247, 18. 250, 5. SĀMĀH. 53. KĀM. NITIS. 5, 82. VARĀH. BRH. S. 32, 1. BHĀG. P. 8, 19, 37. Schol. zu P. 5, 3, 43.

पञ्चन् *fünf* UGĒVAL. zu UNĀDIS. 1, 156. ÇĀNT. 2, 5. nom. acc. पञ्च (पञ्चै AV. 5, 15, 5); instr. पञ्चैभिस्; nachved. auch पञ्चभिस्; dat. abl. पञ्चैभ्यस्, nachved. auch पञ्चैभ्यस्; gen. पञ्चानाम्; loc. पञ्चैस्, nachved. auch पञ्चैस् P. 6, 1, 179. fgg. Ueber die Declin. eines adj. comp. auf पञ्चन् s. den Schol. zu P. 7, 1, 55. 8, 4, 65. SIDDH. K. 22, a. पञ्च च याः पञ्चाशच्च संयति मन्वा ग्र्भि AV. 6, 25. 1. पञ्च व्युष्टीरनु पञ्च दोहा गो पञ्चानाम्नीमृतवो ऽनु पञ्च 8, 9, 15. 23. 9, 3, 25. 26. पञ्च राश्यानि वीरुधाम् 11, 6, 15. TS. 4, 3, 11, 2. ÇAT. Br. 3, 2, 3, 12. KĀTJ. ÇR. 8, 5, 28. 15, 7, 5. 24, 4, 41. M. 2, 43. 137. 12, 16. MBH. 3, 10662. R. 1, 4, 73. RAGH. 3, 13. पञ्चपञ्चाहुतं गृह्णन् *der fünfundzwanzig Bhāg. P. 6, 5, 8. die fünf oder zweimal fünf* (Schwestern) sind *die Finger* RV. 4, 6, 8. 9, 98, 6. VS. 1, 9. Zu bemerken ist पञ्च त्रितीनाम् RV. 1, 7, 9. Am häufigsten werden in fünffacher Zahl genannt कृष्टि, जन, चर्षणि, मनुष्य, मानव, रिप्, प्रदिप्, वात, ऋतु, भूत, मात्र, प्रशु, इन्द्रिय, अग्नि, यज्ञ, होतर.

पञ्चनख (पञ्चन् + नख) 1) adj. *fünf Nägel —, fünf Krallen habend:* पाद् (des Hundes) VARĀH. BRH. S. 61, 1. — 2) m. a) *ein fünfkraliges Thier:* न भक्षयेत् — पञ्चनखान् M. 5, 17. श्याविर्धं शल्यकं गोधां खड्गूर्म-शशास्तथा । भक्ष्यान्पञ्चनखेषाहुः 18. भक्ष्याः पञ्चनखाः सधोगोधाकच्छप-शस्त्रकाः । शशाश्च JĀGŪ. 1, 177. MBH. 12, 5388. R. 4, 16, 32. — b) *Elephant* TRIK. 3, 3, 50. H. an. 4, 43. fg. — c) *Tiger* RĀGĀN. im ÇKDR. — d) *Schildkröte* H. an. — Vgl. पाञ्चनख.

पञ्चनद (पञ्चन् + नद, नदी) 1) n. VOP. 6, 85. a) *das Fünfstromland, das Pendshāb* MBH. 2, 1193. लोके ख्यातं पञ्चनदं च पुण्यम् 3, 10662. 14229. 5, 598. 14, 2483. 16, 221. R. 4, 43, 21. RĀGĀ-TAR. 4, 248. — b) N. des in den Sindhu sich ergießenden Flusses, der sich aus der Vereinigung der fünf Flüsse des Pañkānada (वितस्ता, चन्द्रागा, इरावती, विपाशा und शतद्रु) bildet, LIA. I, 100. N. pr. eines Tīrtha am Zusammenfluss der Kiraṇā und Dhūtapāpā mit der Gaṅgā, nachdem sich diese mit der Jamunā und Sarasvatī vereinigt hat, SKANDA-P. in Verz. d.

Oxf. H. 71, a, Kap. 59; vgl. N. 1. Ein heiliger Badeplatz ist gemeint auch MBH. 3, 5025. 5086. 13, 4888. — 2) m. a) *ein Fürst von Pañkānada* MBH. 5, 82. 6, 2406. HARIV. 5018. 5499. — b) pl. *die Bewohner von Pañkānada* MBH. 8, 2100. VARĀH. BRH. S. 14, 21. — c) N. pr. eines ASURA HARIV. 6805. 6876. — d) N. pr. eines Lehrers VĀMANA-P. in Verz. d. Oxf. H. 46, a, 11. — पञ्चनदम् ist nach P. 2, 1, 20 ein adv. comp.; vgl. jedoch die Vārttika zum Sūtra. — Vgl. पाञ्चनद.

पञ्चनवत (vom folg.) adj. *der 95ste* MBH. und HARIV. in den Unterschrr. der Adhājā. ऽनवते दिनशते *am 195sten Tage* VARĀH. BRH. S. 21, 7.

पञ्चनवति (पञ्चन् + नवति) f. *fünfundneunzig* MBH. in den Unterschrr. der 195sten Adhājā.

पञ्चनवतितम (vom vorherg.) adj. *der 95ste* R. in den Unterschrr. der Sarga.

पञ्चनामन् (पञ्चन् + ना०) adj. f. ऽनाम्नी *fünfnamig:* गो पञ्चनाम्नीमृतवो ऽनु पञ्च AV. 8, 9, 15. नुद्रकं पञ्चनामानम् (nämlich गणाम्) *die sogenannte kleine Reihe der Fünfwurzeln* (s. पञ्चमूल) SUÇR. 2, 138, 2.

पञ्चनिधन (पञ्चन् + नि०) u. N. eines SĀMAN PAÑKAV. BR. 12, 4, 5. LĀTJ. 1, 6, 29. ऽनं वामदेव्यम् und ऽनं वैत्रपम् desgl. Ind. St. 3, 222.

पञ्चनिम्ब (पञ्चन् + नि०) n. *die fünf Dinge von der Azadirachta indica* Juss. (Blätter, Rinde, Blüthe, Frucht und Wurzel) ÇABDĀK. und RĀGĀN. im ÇKDR.

पञ्चनी f. = शारिर्गुह्ला (s. d.) ÇABDĀK. im ÇKDR. Vgl. पञ्चमी, पञ्चारी, पञ्चाली (viell. die richtige Form).

पञ्चपतिन् (पञ्चन् + पतिन्) m. Titel eines dem Çiva zugeschriebenen Wahrsagebüchelchens (in dem die fünf Vocale इ, ए, उ, ऋ, ए, औ zu fünf Vögeln in Beziehung gebracht werden) ÇKDR. ऽपति oder पतिन् n. GILD. Bibl. 504.

पञ्चपञ्चाश (vom folg.) adj. *der 55ste* MBH. und R. in den Unterschrr. der Adhājā und Sarga.

पञ्चपञ्चाशत् (पञ्चन् + प०) f. *fünfundfünfzig:* ऽतं कृणान् ÇAT. Br. 13, 5, 4, 11. 6, 2, 2, 36. KAUC. 30. ऽशता वाजिभिः BHĀG. P. 9, 20, 25.

पञ्चपञ्चैन् (von पञ्चन् + पञ्चन्) adj. *fünfhellig:* ऽपञ्ची वै यज्ञमानः । त्वञ्चांसं स्यात्त्वस्थिं मञ्जा TBR. 1, 5, 9, 7 (vgl. u. पञ्चधा). PAÑKAV. BR. 2, 4, 1 (MAHĪHU. zu VS. 10, 11).

पञ्चपत्र (पञ्चन् + पत्र) m. *eine Art von Kaṇḍāla-Kanda (fünfblättrig)* RĀGĀN. im ÇKDR. u. d. letzten Worte.

पञ्चपद् oder ऽपाद् (पञ्चन् + पद् oder पाद्) 1) adj. f. ई *fünf Füße* (Schritte, Theile) zählend TS. 3, 3, 10, 2. ऽच. GRHJ. 1, 7. ÇĀNKH. GRHJ. 1, 14. — 2) f. ई N. pr. eines Flusses in Çākadvīpa BHĀG. P. 5, 20, 27. — Vgl. पञ्चपदी.

पञ्चपद (पञ्चन् + पद) adj. f. ऽपा *fünf Pada enthaltend:* पञ्चै ÇAT. Br. 4, 2, 5, 22. 5, 1, 13. 2, 2, 3, 14. RV. PRĀT. 18, 27. MBH. 3, 10662.

पञ्चपदी (wie eben) f. 1) *nur fünf Schritte* so v. a. *ein kaltes, unfreundliches Verhältniss* (Gegens. सातपदीन *ein durch 7 Schritte befestigtes Freundschaftsverhältniss*): मुसंचितेजी वितवत्सुरलितेनिजे ऽपि देहे न विपोजितेः काचित् । पुंसो ऽवसानं व्रजतो ऽपि निष्ठुरिष्टैर्यनैः पञ्चपदो न मुच्यते ॥ so v. a. *das Geld ist hartherzig: so sehr es auch der Besitzer gehegt und gepflegt hat, ist und bleibt es kalt gegen diesen sogar*